09-04-2022

'मानवाधिकार परिषद' (UN Human Rights Council – UNHRC)

समाचार पत्रों मे क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हाल ही में आयोजित एक बैठक के दौरान रूस को 'मानवाधिकार परिषद' (UN Human Rights Council – UNHRC) से निलंबित कर दिया गया है।

त्वरित मुद्दा ?

- 99 सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि 24 ने विरोध में मतदान किया और 58 सदस्यों ने भाग नहीं लिया।
- भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा रूस को निलंबित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के कराए गए मतदान में भी भाग नहीं लिया था। इस प्रस्ताव में अमेरिका ने आरोप लगाया गया था कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के शहरों से पीछे हटने के दौरान नागरिकों को प्रताड़ित किया और नागरिकों को मार डाला।
- 'मानवाधिकार परिषद' में भारत की स्थिति, 24 फरवरी को यूक्रेन में रूसी सैन्य अभियानों की शुरुआत के बाद से संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय संगठनों में होने वाले मतदानों से अनुपस्थित रहने की श्रंखला में कड़ी जोड़ती है। जबकि यूक्रेन में जारी रूसी सैन्य हमलों की बढ़ोत्तरी को देखते हुए, मास्को की आलोचना करने वाले प्रस्तावों के पक्ष में अधिक से अधिक देशों द्वारा मतदान किया जा रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद' (UNHRC) का पुनर्गठन वर्ष 2006 में इसकी पूर्ववर्ती संस्था, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (UN Commission on Human Rights) के प्रति 'विश्वसनीयता के अभाव' को दूर करने में सहायता करने हेतु किया गया था। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- वर्तमान में, 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद' (UNHRC) में 47 सदस्य हैं, तथा समस्त विश्व के भौगोलिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु सीटों का आवंटन प्रतिवर्ष निर्वाचन के आधार पर किया जाता है।
- प्रत्येक सदस्य तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए निर्वाचित होता है।
- किसी देश को एक सीट पर लगातार अधिकतम दो कार्यकाल की अनुमति होती है।
- परिषद द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों की 'सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा' (Universal Periodic Review - UPR) के माध्यम से मानव अधिकार संबंधी विषयों पर गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव पारित करता है। यह विशेष देशों में मानवाधिकार उल्लंघनों हेतु विशेषज्ञ जांच की देखरेख करता है।
- 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सदस्य-देशों जैसे सऊदी अरब, चीन और रूस के मानवाधिकार रिकॉर्ड इसके उद्देश्य और मिशन के अनुरूप नहीं हैं, जिसके कारण आलोचकों द्वारा परिषद की प्रासंगिकता

अन्य प्रमुख तथ्य ?

संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद

- यह वर्तमान समय में निष्क्रिय है।
- इसका निर्माण न्यास प्रदेशों (trust territories) की देखरेख के लिए किया गया था ।
- इसकी स्थापना 1945 में, औपनिवेशिक अधीन क्षेत्रों के प्रबंधन के लिए तथा स्वतंत्रता व स्वशासन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए की गयी।
- यह 1994 (आखिरी राज्य-क्षेत्र की स्वतंत्रता तक) के बाद से निष्क्रिय है।

पर सवाल उठाये जाते है।

- UNHRC में कई पश्चिमी देशों द्वारा निरंतर भागीदारी के बावजूद भी ये मानव अधिकारों संबंधी समझ पर गलतफहमी बनाये रखते हैं।
- UNHRC की कार्यवाहियों के संदर्भ में गैर-अनुपालन (Non-compliance) एक गंभीर मुद्दा रहा है। अमेरिका जैसे शक्तिशाली राष्ट्रों की गैर-भागीदारी।
- कुछ लोगों का कहना है, कि भारत का मतदान से दूर रहने का निर्णय किसी राष्ट्र के पक्ष अथवा विपक्ष में नहीं है, बल्कि यह अपने स्वयं के राष्ट्रीय हित में हैं। हालांकि, इन निर्णयों को अधिकांश भारतीय टिप्पणीकारों द्वारा एक 'खराब स्थिति को सर्वश्रेष्ठ बनाने' के प्रयास के रूप में माना जाना रहा है।
- हमारे सबसे बड़े हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में, रूस एक भरोसेमंद सहयोगी रहा है। इनका कहना है, कि 1971 में बांग्लादेश के निर्माण का उल्लेख नहीं करके, कश्मीर मुद्दे पर रूस ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का बचाव किया है।
- इसके अलावा, रूस के खिलाफ मतदान करने से, रूस के चीन के अधिक नजदीक जाने की बढ़ जाएगी, जिससे भारत के लिए देश की सुरक्षा का खतरा कई गुना बढ़ जाएगा।
- रूस की वजह से ही, भारत को, हाल के दिनों में अफगान शांति वार्ता से दूर रखा गया था।
- 2019 और 2020 में जब चीन ने UNSC में कश्मीर को उठाया तो रूस ने हमारी मदद करने के लिए बहुत कम प्रयास किए। उस समय अमेरिका और यूरोपीय देशों ने अपने स्वयं के मानवाधिकार सिद्धांतों के खिलाफ जाकर- हमारी मदद की थी।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न - निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए -

1. 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद' (UNHRC) का पुनर्गठन वर्ष 2006 में इसकी पूर्ववर्ती संस्था, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (UN Commission on Human Rights) के प्रति 'विश्वसनीयता के अभाव' को दूर करने में सहायता करने हेतु किया गया था। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
2. वर्तमान में, 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद' (UNHRC) में 47 सदस्य हैं, तथा समस्त विश्व के भौगोलिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु सीटों का आवंटन प्रतिवर्ष निर्वाचन के आधार पर किया जाता है।
3. प्रत्येक सदस्य तीन वर्षों के कार्यकाल के लिए निर्वाचित होता है।

कूट :

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी

मुख्य परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न-1 - 'संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद' (UNHRC) के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आरबीआई मौद्रिक नीति 2022

समाचार पत्रों मे क्यों ?

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर को 4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। एमपीसी समिति ने रिवर्स रेपो दर को 3.35 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा क्योंकि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने मुद्रास्फीति में वृद्धि को बढ़ाया है।

त्वरित मुद्दा ?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार 11वीं बार रेपो दर को अपरिवर्तित रखा। रेपो रेट या शॉर्ट टर्म लेंडिंग रेट 22 मई, 2020 को आखिरी कटौती थी। तब से, दर 4 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बनी हुई है।
- रूस में चल रहे यूक्रेन युद्ध के कारण मुद्रास्फीति के दबाव के कारण सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने जीडीपी विकास दर को 7.8 फीसदी पर रखा था।
- RBI ने घोषणा की कि अब लोग देश भर के सभी बैंकों में बिना कार्ड के एटीएम से पैसे निकाल सकते हैं। यह डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।
- भारत बिल भुगतान प्रणाली संचालन इकाइयों के लिए निवल मूल्य की आवश्यकता 100 करोड़ रुपये से घटाकर 25 करोड़ रुपये कर दी गई है।
- व्यक्तिगत आवास ऋणों के लिए जोखिम भार का युक्तिकरण 31 मार्च, 2023 तक बढ़ाया जाएगा।
- आरबीआई चालू खाते के घाटे को स्थायी स्तर पर और विदेशी मुद्रा भंडार को 606.5 अरब डॉलर पर देखता है।
- मुद्रास्फीति अब 2022:23 में 5.7% पर Q1 के साथ 6.3%, Q2 में 5%, Q3 में 5.4% और Q4 में 5.1% पर अनुमानित है।
- भारत की 10 साल की बॉन्ड यील्ड बढ़कर 7% हो गई, जो 2019 के बाद सबसे ज्यादा है।

अन्य प्रमुख तथ्य ?

मौद्रिक नीति समिति की संरचना इस प्रकार है

- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर – अध्यक्ष, पदेन: श्री शक्तिकांत दास।
- भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, मौद्रिक नीति के प्रभारी– सदस्य, पदेन: डॉ माइकल देवव्रत पात्रा।
- भारतीय रिजर्व बैंक के एक अधिकारी को केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाएगा – सदस्य, पदेन: डॉ मृदुल के सागर।
- मुंबई स्थित इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंटल रिसर्च में प्रोफेसर: प्रो आशिमा गोयल।
- अहमदाबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान में वित्त के प्रोफेसर: प्रो. जयंत आर वर्मा।
- एक कृषि अर्थशास्त्री और नई दिल्ली में नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के वरिष्ठ सलाहकार: डॉ शशांक भिड़े।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ?

- आरबीआई की मौद्रिक नीति में कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष साधन हैं जिनका उपयोग मौद्रिक नीति को लागू करने के लिए किया जाता है।
- **रेपो दर :** यह (फिक्स्ड) ब्याज दर है, जिस पर बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत सरकार और अन्य

अनुमोदित प्रतिभूतियों की संपार्श्विक के खिलाफ रातोंरात तरलता उधार ले सकते हैं।

- **रिवर्स रेपो दर :** यह (फिक्स्ड) ब्याज दर है, जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक एलएएफ के तहत पात्र सरकारी प्रतिभूतियों की संपार्श्विकता के खिलाफ रातोंरात बैंकों से तरलता को अवशोषित कर सकता है।
- **चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ):** एलएएफ की रातोंरात और साथ ही इसके अंतर्गत सावधि रिपो नीलामियां हैंस रेपो शब्द इंटर-बैंक टर्म मनी मार्केट के विकास में मदद करता है। यह बाजार ऋण और जमा के मूल्य निर्धारण के लिए मानक निर्धारित करता हैस यह मौद्रिक नीति के प्रसारण को बेहतर बनाने में मदद करता है। विकसित बाजार की स्थितियों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक परिवर्तनीय ब्याज दर रिवर्स रेपो नीलामी भी करता है।
- **सीमांत स्थायी सुविधा (MSF):** MSF एक प्रावधान है जो अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक से रातोंरात अतिरिक्त धनराशि उधार लेने में सक्षम बनाता है। बैंक अपने वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) पोर्टफोलियो में ब्याज की दंड दर तक सीमित करके ऐसा कर सकते हैं। इससे बैंकों को उनके द्वारा सामना किए गए अप्रत्याशित तरलता झटके को बनाए रखने में मदद मिलती है।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

प्रश्न - निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए -

1. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार 11वीं बार रेपो दर को अपरिवर्तित रखा। रेपो रेट या शॉर्ट टर्म लेंडिंग रेट 22 मई, 2020 को आखिरी कटौती थी। तब से, दर 4 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बनी हुई है।
2. रूस में चल रहे यूक्रेन युद्ध के कारण मुद्रास्फीति के दबाव के कारण सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान घटाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने जीडीपी विकास दर को 7.8 फीसदी पर रखा था।
3. RBI ने घोषणा की कि अब लोग देश भर के सभी बैंकों में बिना कार्ड के एटीएम से पैसे निकाल सकते हैं। यह डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

कूट :

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर - (D) उपरोक्त सभी